सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 329 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 6 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

सबसे मुश्किल काम है सोचना, शायद यही कारण है कि इसमें इतने कम लोग लगे होते हैं।

-हेनरी फोर्ड

सिडनी में ट्रेविस हेड का आया... 7 | दक्षिण राज्य केरल व तमिलनाडु... 3 | 2027 में सपा-कांग्रेस को मिलकर... 2

जेएनयू में नारे को लेकर फिर बवाल

भाजपा ने आप व कांग्रेस पर उठाए सवाल

» जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन ने इंकार किया

» पुलिस बोली- नारों के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उमर खालिद और शरजील इमाम को कोर्ट से जमानत देने के इनकार करने के बाद, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय-जेएनयू के छात्रों के एक समूह ने परिसर के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादित नारे लगाने के आरोप के बाद सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया है।

हांलाकि जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन ने इन नारों को किसी से जोड़कर देखने पर आपत्ति की है। उधर भाजपा ने कांग्रेस व आप पर निशाना साधा है। इस बीच, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि नारों के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मामले से जुड़ी जानकारी मांगी है, और फिलहाल जांच चल रही है।

विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लगभग 35 सेकंड के इस वीडियो में छात्रों को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। ये नारे गॉडजिला ढाबा नाम के एक कार्यक्रम में लगाए गए, जो कैंपस में साबरमती हॉस्टल के पास आयोजित किया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सभा में छात्रों ने 2020 में जेएनयू छात्रों पर हुए हमले की याद में कार्यक्रम किया और शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने का विरोध किया।

भाजपा ही तो इस नारे के पीछे नहीं है : प्रमोद तिवारी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद प्रमोद तिवारी ने दावा किया है कि दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में कथित विवादित नारे लगाने वालों का रिश्ता, भारतीय जनता पार्टी से हो सकता है। तिवारी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने जेएनयू के घटनाक्रम को कांग्रेस से जोड़ा था। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से कहना चाहता हूं कि क्या वह सोते हुए सपने देखते रहते हैं। आखिर गिरिराज सिंह कांग्रेस के नेताओं से इतना डरे क्यों रहते हैं? गिरिराज सिंह सुबह शाम दोपहर कांग्रेस के नेताओं का ही जाप किया करते हैं? अगर जेएनयू में कोई भी असंवैधानिक और आपत्तिजनक नारे लगे हैं तो मैं उसकी निंदा करता हूं क्योंकि किसी भी संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक नारे नहीं लगने चाहिए। प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मामला न्यायालय में लंबित है और मुझे यह आशंका है कि भाजपा ही तो इस नारी के पीछे नहीं है। ऐसे नारे लगवा कर भाजपा ही राजनैतिक लाभ लेने का काम करती आई है, उन्होंने कहा है कि नारे लगाने वालों और बीजेपी के बीच कोई रिश्ता तो नहीं है, इस मामले की भी जांच होनी चाहिए।

एवीबीपी ने नारों की निंदा की

एवीबीपी के छात्र गौतम ने इन नारों की निंदा करते हुए उन्हें राष्ट्रविरोधी बताया और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। एवीबीपी के वाइस प्रेसिडेंट मनीष ने भी इस घटना की आलोचना करते हुए कहा, शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज होने के फैसले के बाद प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाए गए, जो सही नहीं है। वे दिल्ली दंगों में शामिल लोगों की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं : लवली

बीजेपी विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कल जेएनयू कैंपस में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ हुई कथित नारेबाजी पर कहा, इस देश में कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है। इस देश में न्याय व्यवस्था से ऊपर कुछ भी नहीं है, और सरकार भी इसका पालन करने के लिए बाध्य है। इस तरह से उस न्याय का विरोध करना और सिर्फ राजनीति करना, इसका मतलब है कि आप देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। मैं ऐसे लोगों की निंदा करता हूं जो इस देश को टुकड़ों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी के लिए व्यक्तिगत नहीं थे : अदिति मिश्रा

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल, छात्र 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं, विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे

वैचारिक थे और किसी के लिए व्यक्तिगत नहीं थे। मिश्रा ने बताया कि वह नारे किसी के खिलाफ नहीं थे।

कपिल मिश्रा व मंजिंदर सिंह सिरसा भी बिफरे

नारेबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता और मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा,जब सांपों के फन कुचले जा रहे हैं, तो सांप के बच्चे दर्द से छटपटा रहे हैं। नक्सलियों, आतंकवादियों और दंगाइयों के समर्थन में आपत्तिजनक नारे लगाने वाले लोग इसलिए निराश हैं क्योंकि नक्सलियों का सफाया किया जा रहा है, आतंकवादियों से निपटा जा रहा

है, और अदालतों ने दंगाइयों की पहचान कर ली है। मंजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, यह पूरी तरह गलत है। पहले वे देशद्रोह के काम करते हैं, और फिर वे उनके समर्थन में ऐसे नारे लगाते हैं। ये लोग कांग्रेस और आप की मिलीभगत से ऐसे नारे लगाते हैं। संजय सिंह का बयान देखिए, एक तरफ वह कहते हैं कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं, और दूसरी तरफ वह कहते हैं कि यह गलत था।

2027 में सपा-कांग्रेस को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए : प्रमोद तिवारी

» कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान के बाद राज्यसभा सांसद की आयी प्रतिक्रिया

» बोले- वोटों का बंटवारा नहीं होना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रदेश में वोटों का बंटवारा नहीं होना चाहिए। वह उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के दावे से इतर यह बात कह रहे थे। उधर मसूद के बयान के बाद बाद 2027 चुनाव से पहले कांग्रेस और सपा गठबंधन को लेकर कई कयास लगने शुरू हो गए हैं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यूपी में इंडिया गठबंधन को और सपा-कांग्रेस के संबंधों को लेकर खुलकर बात की। 2027 में सपा-कांग्रेस के गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसे लेकर नेतृत्व जो फैसला लेगा वही होगा लेकिन, अगर मुझसे जब पूछा जाएगा तो मैं ये राय दूंगा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए। ये मेरी खुली राय है। प्रमोद ने कहा कि 2017 से ज्यादा या कम सीटें मिलेंगी ये हमारा नेतृत्व तय करेगा। मैं करूंगा वहीं जो नेतृत्व कहेगा लेकिन, मेरी राय है कि खुलेआम बोल रहा हूं कि वोटों का बंटवारा रुकना चाहिए. कांग्रेस-सपा और छोटे-छोटे दलों को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए, भाजपा के बोझ से प्रदेश को मुक्त कराना चाहिए। अब बीजेपी सरकार हटना चाहिए

सपा से गठबंधन पर बोले प्रमोद तिवारी

प्रमोद तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वोटों का बंटवारा नहीं होना चाहिए, ये पाप को बोझ (बीजेपी सरकार) हटना चाहिए. भारतीय जनता पार्टी को जाना चाहिए. जब उनसे ये पूछा गया कि सपा 50-60 सीटों से ज्यादा नहीं देगी, कांग्रेस को 2017 जितनी सीटें भी न मिलें, तो कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं जानता हूं कि हमें पर्याप्त सीटें मिलेगी, हम बैठकर तय कर लेंगे, ये यहां तय नहीं हो सकता।

यूपी में हमख्याल दल छोटे-छोटे दल हैं मिलकर लड़ें

उन्होंने दावा किया कि सपा उनकी पार्टी के साथ अच्छा सलूक करेगी.. ये मेरा विश्वास है, जहां जरूरत होती है मैं इस विचारधारा हूं कि वोटों का जहां बंटवारा पूरे हिन्दुस्तान में रुकना चाहिए, हिन्दुस्तान में वहां के राज्य इसका फैसला लें,लेकिन, मैं यूपी में कहता हूं कि कांग्रेस-सपा और ऐसे हमख्याल दल छोटे-छोटे दल हैं मिलकर लड़े।

मायावती हमारे साथ मिलकर नहीं लड़ना चाहती

बहुजन समाज पार्टी और मायावती भी उनके साथ लड़ेंगी इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मायावती जी हमारे साथ मिलकर नहीं लड़ना चाहती, अभी तक तो उनका यही कहना है।

इमरान मसूद के बयान से चर्चा तेज

बता दें कि सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद लगातार यूपी में अकेले दम पर चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। रविवार को भी उन्होंने बयान जारी कर कहा कि जो लोग कह रहे हैं कि हम कांग्रेस को इतनी सीटें देंगे तुम कौन हो? तुमसे माँग कौन रहा है? हालांकि उनके इस बयान पर सपा की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भाजपा संविधान विरोधी काम कर रही है : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू किया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर लोकतंत्र और संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया। कहा कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिये सरकार चोरी-छिपे एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लागू करने का काम कर रही है और सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बुनियादी चरित्र लोकतंत्र विरोधी है।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा नकारात्मक सोच का प्रतिनिधित्व करती है। वह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं मानती। जनता से झूठे वादे किए गए और लोगों को लगातार परेशान किया गया। जनता को कभी नोटबंदी, कभी वैक्सीनेशन, कभी कागजी कार्रवाई के नाम पर लाइनों में खड़ा रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा संविधान के रास्ते पर चली है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान दशनाम जूना अखाड़ा, वाराणसी के साधु-संतों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भेंट की। एनआरसी का काम गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है, लेकिन भाजपा सरकार निर्वाचन आयोग के जरिये एसआइआर कराकर वही काम कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

एक दिन चुनाव आयोग खत्म हो जाएगा : ममता बनर्जी

» बंगाल की सीमए बोलीं- ईसीआई व्हाट्सएप पर चल रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ईसीआई व्हाट्सएप पर चल रहा है।

मुरीगंगा नदी पर गंगानगर सेतु की आधारशिला रखने के बाद उन्होंने ये टिप्पणी की। गंगासागर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप पर चल रहा है। मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है, लेकिन एक दिन ऐसा चुनाव आयोग खत्म हो जाएगा।टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के पहले के बयानों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बंगाल को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। अभिषेक बनर्जी ने पहले दावा किया था कि एसआईआर अभ्यास के दौरान 45 लोगों की जान चली गई, छह लोग अस्पताल में भर्ती हुए और 29 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने चुनाव आयोग पर पार्टी द्वारा उठाए गए बुनियादी सवालों का जवाब न देने का भी आरोप लगाया था। अभिषेक बनर्जी ने पहले आरोप लगाया था, चुनाव आयोग की सभी नीतियां व्हाट्सएप के जरिए बनाई जा रही हैं; यह एक व्हाट्सएप आयोग है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से मनमाने ढंग से नाम हटाए जा रहे हैं, और कहा कि बंगाल कभी आपके सामने नहीं झुका, और बंगाल कभी आपके सामने नहीं झुकेगा।

4 बच्चे क्या 6 पैदा करें किसने रोका है : ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख ने बीजेपी नेता नवनीत राणा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नांदेड। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी नेता नवनीत राणा की चार बच्चे वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके छह बच्चे हैं, आपको आठ पैदा करने से कौन रोक रहा है। राणा की हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील ने जनसंख्या और जनसांख्यिकी पर एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें कांग्रेस ने भी इस सोच की आलोचना की है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी नेता नवनीत राणा पर देश के डेमोग्राफिक सेटअप को पाकिस्तान जैसा बनने से रोकने के लिए चार बच्चे पैदा करने वाली उनकी विवादित टिप्पणी पर हमला बोला है। राणा का नाम लिए बिना, ओवैसी ने कहा कि उनके छह बच्चे हैं और सवाल किया कि उन्हें आठ बच्चे पैदा करने से क्या रोक रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली में कहा मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, तुम्हें कौन रोक रहा है?।

ओवैसी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयानों को याद दिलाया, जिनकी टीडीपी केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा है। उन्होंने कहा वे सभी ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए कह रहे हैं। आप अभी ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? मैं आपको 20 बच्चे पैदा करने की चुनौती देता हूं। यह किस तरह का मजाक है। इससे पहले, राणा ने कहा था कि कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं, जिससे उनकी आबादी बढ़ती रहती है, और इसे रोकने के लिए, उन्होंने हिंदुओं से भारत की रक्षा के लिए कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। बीजेपी नेता ने कहा मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।

आरएसएस व बीजेपी ऐसी पागल सोच खत्म होनी चाहिए : मनिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने आरएसएस व बीजेपी के ऐसी पागल सोच को खत्म करने का आह्वान किया। टैगोर ने कहा हमें संख्याओं के मामले में वैज्ञानिक होना चाहिए, न कि इस तरह के अंधविश्वासी या अवैज्ञानिक तरीके से। भारत की जनसंख्या वृद्धि एक चिंताजनक कहानी है... जो राज्य जनसंख्या को स्थिर करने में असमर्थ हैं, वे पीड़ित हैं... आरएसएस व बीजेपी ऐसी पागल सोच खत्म होनी चाहिए।

निषाद राज की पार्टी भाजपा के साथ आई तब रामराज्य आया : संजय निषाद

यूपी के मंत्री बोले- भाजपा सौभाग्यशाली है कि हमारे साथ है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या । निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने अयोध्या में कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि भाजपा के साथ हैं और भाजपा भी सौभाग्यशाली है कि निषाद पार्टी के साथ है। उन्होंने कहा कि हम नाव वाले हैं, चुनाव बाद में आते हैं, लेकिन जिसने नाव में बैठकर धोखा दिया, उसे जनता ने पहचान लिया है। अब नाव में भाजपा बैठी है और जब से भाजपा के साथ आए हैं, तब से हम भी सौभाग्यशाली हैं और भाजपा भी।

राम मंदिर निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा की कई बार सरकार बनी लेकिन राम मंदिर तब बना जब भगवान राम के बाल सखा निषाद राज की पार्टी भाजपा के साथ आई। उन्होंने कहा कि अयोध्या का सौभाग्य पूरी दुनिया जानती है, यह त्रेता युग की पावन धरती है, जहां भगवान राम ने निषाद राज से गले मिलकर मर्यादा और प्रेम का संदेश दिया था तभी रामराज्य आया था और सुख का राज स्थापित हुआ था।

निषाद ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसी सुख और समृद्धि के राज को धीरे-धीरे दोबारा ला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार धोखे से अयोध्या जीत ली गई थी लेकिन अब वैसी गलती दोबारा नहीं होने वाली है।

दक्षिण राज्य केरल व तमिलनाडु में विस चुनाव, सभी सियासी दलों ने जमाए पांव

डीएमके व एलडीएफ सरकार का बढ़ा जनता की ओर झुकाव

» भाजपा- कांग्रेस ने भी माझे तीर-तरकश

» सत्ता में दावेदारी की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दो दक्षिण राज्यों केरल व तमिलनाडु में विस चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में जहां बीजेपी अपनी पैठ धीरे-धीरे बनाने की कोशिश कर रही है वहीं करेल में एलडीएफ व तमिलनाडु में डीएमके फिर से सत्ता में वापस आने के लिए जुगत कर रही है। इसी के चलते क्रमश: सीएम विजयन व स्टालिन राज्य की जनता के लिए नई-नई लोकलुभावन फै सले कर रहे हैं। उधर भाजपा नेता दोनों राज्यों में जनता के बीच घूम-घूम कर अपनी सरकार बनाने का आग्रह कर रहे हैं।

इस बीच डीमएके की सहयोगी कांग्रेस ने भी अपनी मांगे रखना आरंभ कर दिया है। उधर एआईडीएमके भाजपा के साथ सहयोगी की भूमिका में तो है पर नके ल के साथ। वहीं टीवीके जैसी पार्टियां भी ताल ठों क रही हैं। तमिलनाडु में 2026 विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस ने अपनी सहयोगी डीएमके के सामने एक बड़ी मांग रखते हुए कहा है कि अब सिर्फ सीटों पर नहीं, बल्कि सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा होनी चाहिए, जो राज्य में गठबंधन की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। भाजपा नेता व गृहमंत्री अमितशाह ने तमिलनाडु का दौरा प्रारंभ कर दिया है।

भाजपा एआईएडीएमके को हथियाने के प्रयास में

कांग्रेस सांसद टैगोर ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में कलह पैदा करने की कोशिश करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके) को हथियाने और कमजोर करने का प्रयास कर रही है। मनिकम टैगोर ने एआईएडीएमके को अमित शाह एआईएडीएमके में बदलने के लिए एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी को दोषी ठहराया।

कांग्रेस नेतृत्व ने डीएमके के साथ बातचीत शुरू कर की : गिरीश

तमिलनाडु एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडंकर ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने डीएमके के साथ बातचीत शुरू कर दी है और उन्हें जल्द ही इसके निष्कर्ष की उम्मीद है। चोडंकर ने कहा कि हमने ठीक एक महीने पहले, 3 दिसंबर को मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष से मुलाकात की थी। हमने उनसे अनुरोध किया था कि गठबंधन वार्ता

को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए। हमें अब भी उम्मीद है कि डीएमके के साथ हमारा गठबंधन हो जाएगा।

केरल के विकास के लिए 'डबल इंजन' सरकार की जरूरत : सुरेश गोपी

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा है कि केरल के विकास के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता वाली 'डबल इंजन' सरकार का होना अनिवार्य है। त्रिशूर से सांसद गोपी ने कहा, ''मेरी लोगों से केवल यही प्रार्थना है कि वे अन्य राज्यों में 'डबल इंजन' सरकार के कारण मिल रहे लाभों को देखें।...'' उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए या तो भाजपा की सरकार होनी चाहिए या फिर ऐसी स्थिति हो जहां भाजपा शासन को प्रभावित कर सके। केंद्र द्वारा स्वीकृत एक फॉरेंसिक प्रयोगशाला

परियोजना का जिक्र करते हुए गोपी ने कहा कि इसे शुरुआत में त्रिशूर में स्थापित करने का प्रस्ताव था, लेकिन राज्य सरकार द्वारा भूमि की अनुपलब्धता का हवाला दिए जाने के बाद इसे तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित कर दिया गया।गोपी ने कहा, ''केंद्र ने त्रिशूर में 25 एकड़ जमीन मांगी थी। त्रिशूर में अब एक अन्य बड़ी परियोजना आएगी।'' मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को त्रिशूर से संभवत- कुछ समस्या है, क्योंकि कई विकास परियोजनाओं को जिले से बाहर ले जाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि त्रिशूर की जनता को यह बताया जाना चाहिए कि विकास परियोजनाओं को उनके जिले से बाहर आखिर क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास में हर क्षेत्र को शामिल किया जाना चाहिए।

टीवीके नेता को सबक सिखाने वाली आईपीएस का तबादला

आईपीएस अधिकारी ईशा सिंह, जो एक टाइटली रेगुलेटेड रैली में एक तमिलगा वेट्री कजगम नेता को और लोगों को अंदर आने से रोकने के बाद वायरल हो गई थीं, उनका ट्रांसफर दिल्ली कर दिया गया है। करूर भगदड़, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी, के बाद TVK प्रमुख विजय की पहली सार्वजनिक रैली के दौरान सिंह ने देश भर का ध्यान खींचा था। पुडुचेरी के उप्पलम एक्सपो ग्राउंड में आयोजित यह कार्यक्रम सख्त पुलिस निगरानी में आयोजित किया गया था, जिसमें अधिकारियों ने उपस्थिति पर रोक लगाई थी और किसी भी रोड शो पर प्रतिबंध लगा दिया था। एक वायरल वीडियो ने सबका ध्यान खींचा है, जिसमें एक महिला आईपीएस अधिकारी एक बड़ी रैली की मौजूदगी पर तेज और अधिकार वाली आवाज में सवाल करती दिख रही हैं, आपके ऊपर इतने सारे लोगों का खून है। चालीस लोग मर गए हैं। आप क्या कर रहे हैं?, पुडुचेरी की पुलिस अधीक्षक ईशा सिंह, अभिनेता और राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) की रैली का जिक्र कर रही थीं, जो उप्पलम पोर्ट ग्राउंड में हुई थी। अपनी आवाज़ में तीखेपन के साथ, उन्होंने 28 सितंबर को हुई करूर भगदड़ की बड़ी त्रासदी की सार्वजनिक रूप से याद दिलाई, जिसमें टीवीके की एक बड़ी रैली के दौरान 41 लोग मारे गए थे। वीडियो में आगे दिखाया गया है कि सिंह ने टीवीके के महासचिव बुस्सी आनंद से माइक्रोफ़ोन छीन लिया, जिसके बाद उन्होंने यह कड़ा बयान दिया, जो पार्टी के नेतृत्व के लिए एक चेतावनी थी। इस रैली से एक हफ्ते पहले, उन्होंने करूर त्रासदी को देखते हुए विजय के रोड शो के लिए अनुमति जारी न करने के लिए अपने सीनियर्स को आगाह किया था, क्योंकि ऐसे रोड शो में बहुत ज्यादा जोखिम होता है।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सर्वेक्षण को किया खारिज

तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक खींचतान तेज होने के बीच, कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में गठबंधन ही राजनीतिक वास्तविकता बनी हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि सीटों के बंटवारे से आगे बढ़कर सत्ता के बंटवारे पर चर्चा शुरू की जाए। तमिलनाडु में राजनीतिक गठबंधन परिदृश्य पर एक निजी संगठन, आईपीडीएस द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए, टैगोर ने कहा कि आंकड़ों में राज्य में कांग्रेस पार्टी और कई अन्य राजनीतिक दलों की

वास्तविक ताकत का पूरी तरह से आकलन नहीं किया गया है। तमिलनाडु में राजनीतिक गठबंधन की स्थिति पर हाल ही में निजी संगठन (आईपीडीएस) द्वारा किए गए सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में गठबंधन ही राजनीतिक वास्तविकता है। हर पार्टी का अपना मतदाता आधार है। मेरा मानना है कि यह आंकड़े न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि अन्य पार्टियों के आंकड़ों को भी पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। हालांकि, तमिलनाडु में गठबंधन के बिना कोई भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकती। साथ ही, अब समय आ गया है कि न केवल सत्ता पर, बल्कि सत्ता के बंटवारे पर भी चर्चा की जाए, है ना? उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि केवल सीटों के बंटवारे पर ही नहीं, बल्कि सत्ता के बंटवारे पर भी चर्चा हो।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता व अमानवीयता की शर्मनाक घटना

मप्र में कुछ महीने पहले कफ सिरप पीकर कई छोटे बच्चे अपनी जान से हाथ धो बैठे थे। तब भी सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठा था। अभी उसका शोर थमा भी नहीं कि अब स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें ने मप्र की सरकार की सड़ते सिस्टम ने पूरे देश का झकझोरा दिया है। साथ ही उसके क थनी और करनी की असमानता की पोल खोल कर रख दी है। बता दें कि जिस क्षेत्र में यह घटना हुई है वहां के सभासद ने राज्य सरकार को एक साल पहले इस बाबत पत्र लिख दिया था पर कोई कार्यवाही नही हुई। इस अनदेखी से लगभग बीस लोग असमय काल के गाल में समा गये। यह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है।

यह घटना उस व्यवस्था का क्रू र और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़गया। सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रू रता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा।

“ बता दें कि जिस क्षेत्र में यह घटना हुई है वहां के सभासद ने राज्य सरकार को एक साल पहले इस बाबत पत्र लिख दिया था पर कोई कार्यवाही नही हुई। इस अनदेखी से लगभग बीस लोग असमय काल के गाल में समा गये। यह लापरवाही का नतीजा हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं

डॉ. सुधीर कुमार

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी के बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आई यह नीति शिक्षा जगत में उस 'पैराडाइम शिफ्ट' की वकालत करती है, जिसका इंतजार भारत का युवा और बौद्धिक वर्ग दशकों से कर रहा था। यह नीति जहां एक ओर लचीलेपन, कौशल विकास और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने का स्वप्न देखती है, वहीं इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की राह में कई सूक्ष्म प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं भी मौजूद हैं। इस नीति की वास्तविक सफलता और विफलता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी इसका 'कानूनी कार्यान्वयन' है। इस वैचारिक यात्रा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने प्रेरणादायक पहल की है।

जब देश के कई राज्य और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय इस नीति के जटिल नियमों और बदलावों को समझने की जद्दोजहद में उलझे थे, तब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह समझा कि कोई भी नीति तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक उसे जमीनी वास्तविकता से न जोड़ा जाए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हुआ, जिसने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व अपने शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किए। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय को एनईपी के सफल क्रियान्वयन के लिए 'प्लेटिनम अवार्ड' से नवाजा गया। शिक्षा जगत में प्राय: एनईपी के शैक्षणिक लाभों जैसे रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति और कौशल आधारित शिक्षा – पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन इसके 'कानूनी पेचों' पर खामोशी बरती जाती है। इन 'साइलेंट' समस्याओं को सुलझाए बिना नीति का पूर्ण लाभ मिलना दुष्कर है। सबसे बड़ी चुनौती 'संवैधानिक विरोधाभास' की है। संविधान के अनुसार शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है।

जब केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय नीति लागू करती है, तो राज्यों के अपने विश्वविद्यालय अधिनियमों के साथ उसका स्वाभाविक टकराव होता है। मसलन, एनईपी 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' की सुविधा देती है। कानूनन, यदि एक छात्र एक राज्य के विश्वविद्यालय से एक वर्ष बाद सर्टिफिकेट लेकर निकलता है और

दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में डिप्लोमा में प्रवेश चाहता है, तो दोनों राज्यों के नियमों में भिन्नता छात्र का भविष्य संकट में डाल सकती है। इस 'क्रेडिट ट्रांसफर' की कोई ठोस कानूनी गारंटी स्पष्ट नहीं है। दूसरा महत्वपूर्ण और मौन मुद्दा 'स्वायत्तता बनाम नियंत्रण' का है। नीति कॉलेजों को ग्रेडेड स्वायत्तता देने का प्रस्ताव करती है, लेकिन प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग के तहत चार अलग-अलग वर्टिकल – नियमन, मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण – कैसे एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किए बिना काम करेंगे, यह एक कानूनी भूलभुलैया बनी हुई है। यहां शक्ति के केंद्रीकरण का अंदेशा भी रहता है, जो लंबी कानूनी लड़ाइयों और मुकदमों का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल संप्रभुता और डेटा सुरक्षा एक गंभीर पहलू है जिस पर पर्याप्त बहस की आवश्यकता है। 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' और डिजिटल लॉकर के माध्यम से करोड़ों छात्रों का संवेदनशील शैक्षणिक इतिहास ऑनलाइन उपलब्ध होगा। ऐसे में डेटा हैक होने या दुरुपयोग होने की स्थिति में कानूनी जवाबदेही किसकी होगी, यह अपरिभाषित है। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खोलने की बात एक बड़ा कदम है, लेकिन यहां भी 'भारतीय ट्रस्ट कानून' आड़े आता है। भारत में अधिकांश शिक्षण संस्थान 'लाभ के लिए नहीं' के सिद्धांत पर चलते हैं, जबकि विदेशी संस्थान अक्सर व्यावसायिक मॉडल अपनाते हैं। उन्हें फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) और आयकर कानूनों के तहत आय वापस भेजने की अनुमति देना भारतीय संस्थानों के साथ भेदभावपूर्ण लग सकता है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत कानूनी चुनौती बन सकता है। साथ ही, निजी संस्थानों में फीस नियंत्रण को लेकर नीति की चुप्पी शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ा सकती है, जिससे गरीब छात्रों के लिए समान अवसर का संवैधानिक अधिकार प्रभावित होगा। शिक्षा का बाज़ारीकरण रोकना समावेशी भारत के लिए अनिवार्य है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए अब समय है कि एनईपी को एक मजबूत कानूनी कवच प्रदान किया जाए। जब तक इसे वैधानिक शक्ति प्राप्त नहीं होगी, तब तक राज्यों के बीच क्रेडिट ट्रांसफर और प्रशासनिक बाधाएं बनी रहेंगी। इसके लिए 'विशेष शिक्षा न्यायाधिकरण' की स्थापना अनिवार्य है, जो तकनीकी विवादों का त्वरित निपटारा कर सके।

अदावत को दोस्ती में बदलने की कूटनीतिक पहल

पुष्परंजन

जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने भारतीय राजनयिकों के साथ मुलाक़ात की बात मानी है। यह खबर जंगल में आग की तरह फैली है। बांग्लादेश स्थित जमात-ए-इस्लामी को भरोसे में लेने की जरूरत और भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर का पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होना, ये दो घटनायें सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को असहज किये हुए है। मोहम्मद यूनुस चुनाव तक बांग्लादेश में बतौर 'गेस्ट आर्टिस्ट' हैं, बाद के दिनों में वो राष्ट्रपति बनेंगे, या मार्गदर्शक मंडल में शामिल होंगे? यह सवाल अधर में लटका पड़ा है। रॉयटर्स के साथ एक इंटरव्यू में, जमात अमीर ने कहा कि जब मैं बीमार था, जैसे दूसरे देशों के राजनयिक मुझसे मिलने आए, वैसे ही दो भारतीय राजनयिक भी कुशल-क्षेम के वास्ते मेरे घर आए थे। मैंने उनसे वैसे ही बात की, जैसे दूसरों से की थी।

जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा, 'भारतीय राजनयिकों ने अनुरोध किया कि इस दौरे को सार्वजनिक न किया जाए। आगे भी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय हितों से जुड़ी भविष्य की कोई भी बैठक की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी।' जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने पुष्टि की, कि मैंने अपनी बाईपास सर्जरी के बाद सितम्बर, 2025 की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की थी। अब सवाल यह है, कि क्या जमात लीडरशिप बीएनपी नेताओं के सम्बन्ध भारत के साथ सॉफ्ट करने में कोई भूमिका निभा रही है? यह भी एक क़िस्म की 'पोलिटिकल बाईपास सर्जरी' है, जिससे मुहम्मद यूनुस के रणनीतिकार अनजान थे। जमात ने आखिरी बार 2001 और 2006 के बीच बीएनपी के साथ एक जूनियर गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी, और वह फिर से उसके साथ काम करने के लिए तैयार है। बाहर से यही दिख रहा था कि भारत विरोधी माहौल बनाने में जमात पाकिस्तान के इशारों पर यह सबकुछ कर रहा था, लेकिन अब वो क्यास कथा पलटती दिख रही है। बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी माहौल से देश, और देश से बाहर किस-किस को फायदा मिलता है? इस बारे में डिप्लोमेट तो खुलकर बोलेंगे नहीं, लेकिन यह विश्लेषण का विषय है।

बुधवार को, जिस तरह का हुजूम बेगम खालिदा जिया के जनाजे में दिखा, वो इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एक बार फिर सियासी पारी खेल सकती है। सबका यही अनुमान था कि चुनाव तक बांग्लादेश में जो पार्टियां मैदान में हैं, वो हिन्दुओं को निशाने पर लेते हुए, भारत विरोधी विष वमन करेंगी। लेकिन, किसी ने सोचा नहीं था कि इस बीच बीएनपी की सर्वोच्च नेता खालिदा जिया को सिपुर्द-ए-खाक करने की सूरत बन आएगी, और भारतीय विदेशमंत्री शोक और दोस्ती का पैगाम लेकर ढाका जायेंगे। विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की जहमत नहीं उठाई। इससे साफ़ संदेश जा रहा था, कि भारत सरकार की दिलचस्पी देश के अस्थायी व्यस्थापक में कतई नहीं है। पीएम मोदी अदावत को दोस्ती में बदलने की कला में माहिर राजनेता हैं। उसका एक और उदाहरण बुधवार को देखने को मिल गया। जून, 2015 में बांग्लादेश यात्रा के दौरान, मोदी ने खालिदा ज़िया से मुलाकात की, जो उस समय विपक्ष की नेता थीं। दोनों पक्षों ने बातचीत को सकारात्मक बताया, मोदी ने बाद में इसे एक 'गर्मजोशी भरी मुलाकात' के रूप में याद किया। उसी मुलाक़ात का हवाला मोदी के पत्र में था, जो उनके बेटे और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान को अपने विदेशमंत्री के माध्यम से भेजा था। बांग्लादेश से भारत के सम्बन्ध उतार-चढ़ाव वाले ही रहे हैं। सैन्य शासन के पंद्रह साल की अवधि के दौरान, भारत और बांग्लादेश ने एक-दूसरे को बड़े पैमाने पर सुरक्षा अनिश्चितता की दृष्टि से देखना शुरू किया था। दोनों देशों ने एक-दूसरे के क्षेत्र में विद्रोहियों को गुप्त समर्थन दिया। नई दिल्ली ने बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स में शांति वाहिनी का समर्थन किया। इस बीच, ढाका ने भारत के उत्तर-पूर्व में विद्रोहियों को हथियारों की खेप पहुंचाने में मदद की, और उन्हें बांग्लादेशी धरती पर शिविर स्थापित करने की अनुमति दी। जिया की बीएनपी सरकार को भी भारत विरोधी ही माना जाता था। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान और चीन के साथ रक्षा सौदों को बढ़ावा दिया गया, जो भारत के लिए चिंता का विषय था।

उन्होंने भारतीय ट्रकों के लिए बांग्लादेश से होकर जाने वाले ट्रांजिट को 'गुलामी' बताया और पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंचने के लिए भारत को ट्रांजिट अधिकार देने से इनकार कर दिया। खालिदा जिया पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के उग्रवादी समूहों को पनाह देने, और आईएसआई के साथ सांठगांठ के आरोप लगे। बेग़म ज़िया ने 1972 की भारत-बांग्लादेश मैत्री संधि और 1996 की गंगा जल संधि को 'गुलामी की संधि' और 'गुलामी का सौदा' करार दिया था। सबके बावजूद, शेख हसीना से दोस्ती के पुराने दिन याद करने का कोई मतलब नहीं रह गया। अब वो नई दिल्ली के लिए गले की हड्डी बन चुकी हैं। इस बार अवामी लीग को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अर्थात, बांग्लादेश में भारत के लिए अवामी लीग के रूप में कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीति में जो विकल्प दिखते हैं, उन्हीं के साथ भारत को संबंध दुरुस्त करने होंगे।

दाल पराठा

पराठा एक ब्रेकफास्ट डिश है यह तो हम सभी जानते हैं। साथ ही यह सुबह के नाश्ते में खाया जाने वाला सबसे बेहतरीन डिश भी है जो दही, चटनी या सब्जी के साथ खाने से और भी पोष्टिक हो जाता है। दाल पराठा उबली हुई दाल, हरी मिर्च, अदरक और मसालों का मिश्रण होता है। ये पराठा स्वाद में अलग और पौष्टिक होता है। दाल प्रोटीन से भरपूर होने के कारण इसे खाने से ऊर्जा मिलती है। ये पारंपरिक उत्तर भारतीय घरों में अक्सर नाश्ते या हल्की दोपहर की रोटियों के रूप में बनाया जाता है।

गोभी पराठा

गोभी पराठा हल्के मसालों और कटी हुई गोभी के साथ बनाया जाता है। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, नमक और धनिया पाउडर डालकर गोभी को भरवां बनाया जाता है। गोभी का हल्का क्रिस्पी स्वाद और मसालों की खुशबू इसे सर्दियों में विशेष रूप से लोकप्रिय बनाती है। इसे दही या अचार के साथ परोसा जाता है।

मिक्स वेजिटेबल पराठा

मिक्स वेजिटेबल पराठा अपने आप खास और इस्पेसल होता है क्योंकि मिक्स वेजिटेबल पराठा कई तरह की सब्जियों का मिश्रण होता है, जैसे गाजर, मटर, शिमला मिर्च, और कभी-कभी पालक। सब्जियों को कद्दूकस करके हल्के मसालों के साथ मिलाया जाता है। ये पराठा न केवल स्वाद में लाजवाब होता है बल्कि पोषण में भी भरपूर होता है। बच्चों को हरी सब्जियां खाने में पसंद नहीं होती, लेकिन इस तरह वे आसानी से सब्जियों का सेवन कर सकते हैं।

आलू पराठा

आलू पराठा भारतीय घरों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला नाश्ता है। इसमें उबले आलू को मसाले जैसे हरी मिर्च, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, नमक और गरम मसाला के साथ मिलाकर भरवां बनाया जाता है। इसे तवा या तंदूर में सेका जाता है। आलू का हल्का मसालेदार स्वाद और पराठे की कुरकुराहट इसे बच्चों और बड़ों दोनों की पसंद बनाती है।

सर्दियों में हर किसी को पसंद आएंगे ये भरवां पराठे

भरवां पराठा भारतीय नाश्ते और भोजन का एक बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। खासतौर पर अब जब सर्दी का मौसम शुरू हो गया है तो भरवां पराठों का स्वाद और बढ़ गया है। कई लोग इन भरवां पराठे को सिर्फ नाश्ते में ही पसंद नहीं करते, बल्कि दोपहर या रात के भोजन में भी इसे खाने का आनंद लेते हैं। भरवां पराठा न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि यह पौष्टिक और संतुलित भी होता है, खासकर जब इसे सब्जियों या प्रोटीन से भरकर बनाया जाए। ताजगी और पोषण का सही मेल होने के कारण यह बच्चों और बड़े सभी की पहली पसंद है। अगर आप भी अपने खाने को और रोचक और स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं, तो घर पर भरवां पराठा बनाना सीखना एक बेहतरीन विकल्प है। यहां हम आपको पांच तरह के भरवा पराठे के बारे में जानकारी दी जा रही है।

पनीर पराठा

पनीर पराठा प्रोटीन और स्वाद का बेहतरीन मेल है। इसमें फ्रेश पनीर को हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हल्का नमक और धनिया पाउडर के साथ मिलाकर पराठे में भरा जाता है। पनीर का मलाईदार स्वाद और मसालों की खुशबू इसे खाने में बेहद लज़ीज बनाती है।

हंसना मना है

दुकानदार- मैंने आपको दुकान की एक-एक चप्पल दिखा दी, अब तो एक भी बाकी नहीं है। महिला- वो सामने वाले डिब्बे में क्या है? दुकानदार-बहन, रहम कर थोड़ा, उसमें मेरा खाना है?

लड़का आधा किलो जलेबी खाके बिना पैसे दिए जाने लगा, दूकानदार-ओ भाई पैसे? लड़का- नहीं हैं! दुकानदार ने उसे कूट दिया? वो उठकर कपड़े झाड़ते हुए बोला.. भैया इसी भाव में एक किलो और तौल दो?

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे, नीचे से एक हाथी गुजरा। एक चूहा हाथी पर गिर गया। तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख साले को, मैं भी आता हूं।

एक आश्रम में सात साधु सात चटाई पर बैठे हुए थे, तभी एक आदमी आश्रम आया और सबसे बड़े साधु से पूछा- बाबा, बीवी कंट्रोल नहीं होती है क्या करूं? साधु (छोटे साधु से)- एक चटाई और लगा दे इस भाई के लिए...

टीचर- बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट- बंदर, टीचर- किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट- नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला...

कहानी | कुम्हार

एक गांव में युधिष्ठिर नाम का कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता था और जो भी पैसे मिलते थे, उनसे शराब खरीद कर पी लेता। एक रात वह शराब के नशे में था अचानक उसका पैर लड़खड़ाया और वह जमीन पर गिर पड़ा। जमीन पर कांच के टुकड़े पड़े थे, जिनमें से एक टुकड़ा उसके माथे में घुस गया। इसके बाद कुम्हार किसी तरह उठा और अपने घर चल दिया। अगले दिन जब उसे होश आया तो वह वैद्य के पास दवाई ली। वैद्य ने कहा, घाव गहरा होने के कारण इसे भरने में समय लगेगा। इसके बाद कई दिन बीत गए। अचानक उसके गांव में सूखा पड़ गया। सभी लोग गांव छोड़ कर जाने लगे। कुम्हार ने भी गांव छोड़ कर दूसरे देश की तरफ निकल गया। नए देश में वह राजा के दरबार में नौकरी मांगने गया। राजा ने उसके माथे पर चोट का निशान देखा और सोचा, यह जरूर कोई पराक्रमी योद्धा होगा और दुश्मन से लड़ते समय इसके माथे पर चोट लगी होगी। यह सोचकर राजा ने उसे अपने दरबार में एक खास जगह दे दी। यह देख कर राजा के दरबार में मौजूद राजकुमार, सेनापति और अन्य मंत्री उससे जलने लगे। एक दिन शत्रुओं ने राजा के महल पर हमला कर दिया। राजा ने अपनी पूरी सेना को युद्ध के लिए तैयार किया। उसने युधिष्ठिर से भी युद्ध में जाने के लिए कहा। युधिष्ठिर जब युद्ध भूमि की तरफ जा रहा था तो राजा ने उससे पूछा कि उसके माथे पर यह चोट किस युद्ध में लगी। इसपर कुम्हार ने सोचा कि अब वह राजा का भरोसा जीत चुका है और अब सच बता देगा तो कोई समस्या नहीं होगी। उसने राजा से कहा, मैं कोई योद्धा नहीं हूं। एक साधारण-सा कुम्हार हूं। यह चोट मुझे किसी युद्ध में नहीं, बल्कि शराब पीकर गिरने के कारण लगी थी। यह बात सुनकर राजा को बहुत गुस्सा आया। उसने कहा, तुमने मेरा विश्वास तोड़ा है और मुझे छल कर दरबार में इतना ऊंचा पद पाया है। निकल जाओ मेरे राज्य से। कुम्हार ने राजा से बहुत मिन्नतें की, उसने कहा कि अगर उसे मौका मिले, तो वह युद्ध में राजा के लिए प्राण भी दे सकता है। राजा ने कहा, तुम चाहे जितने भी वीर और पराक्रमी हो, लेकिन तुम शूरवीरों के कुल से नहीं हो। तुम्हारी हालत शेरों के बीच रहने वाले उस गीदड़ की तरह है, जो हाथी से लड़ने की जगह उससे दूर भागने की बात करता है। मैं तुम्हे जाने दे रहा हूं, लेकिन अगर राजकुमारों को तुम्हारा राज पता चल गया, तो वो तुम्हें मार डालेंगे। इसलिए, कहता हूं कि अपनी जान बचाओ और भाग जाओ। कुम्हार ने राजा की बात मानी और तुरंत उस राज्य को छोड़ कर चला गया।

7 अंतर खोजें

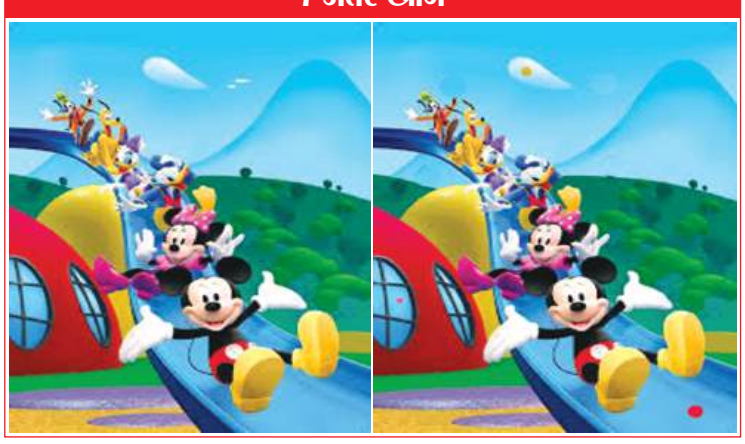

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

कन्या उतेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

तुला रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है।

धनु बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उतेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुम्भ दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं।

मीन नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं स्कूल में बॉडी शेमिंग का शिकार होती थी : शेफाली

शेफाली शाह हाल ही में अपनी लोकप्रिय वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं। उनके अभिनय की अक्सर तारीफ होती है। लेकिन शेफाली शाह का कहना है कि बचपन में अधिक खूबसूरत न होने के कारण उन्हें काफी कुछ सुनना पड़ता था। लोग उन्हें तरह-तरह के ताने मारते थे। साथ ही उन्होंने हुमा कुरैशी की एक सलाह के बारे में भी बताया। शेफाली शाह ने बचपन में बुली किए जाने पर बात की है। अपनी शक्ल-सूरत को लेकर होने वाले भेदभाव के बारे में बात करते हुए शेफाली ने कहा कि जब आप बड़े हो रहे होते हैं, मैं अपने माता-पिता की बात नहीं कर रही, बल्कि आम तौर पर आपको बताया जाता है कि आप सुंदर नहीं हैं। स्कूल में मुझे तंग किया जाता था। कोई मुझे पसंद नहीं करता था। एक लड़की थी जो मुझे बहुत मारती थी। वह मुझे तेलू कहकर बुलाती थी। कुछ साल पहले मैं उससे उसके रेस्टोरेंट में मिली थी और मुझे उस पर तरस आया। फिर कोई जानने वाला कह देता कि अगर तुम पतली होतीं, तो बहुत अच्छी लगतीं। ऐसा बहुत कुछ होता है। लोग एक-दूसरे की सराहना नहीं करते। उनका मानना है कि अगर किसी को कोई चीज सुंदर या अच्छी लगे, तो उसे जरूर कहना चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि अगर कोई मेरे पास आकर मेरे बारे में कुछ अच्छा कहे, तो मुझे बहुत खुशी होगी। मेरा पूरा दिन बन जाएगा। इसलिए अगर आपको कुछ अच्छा दिखे, तो कहिए। दूसरी बात यह है कि मुझे अपना रूप-रंग पसंद नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी इतनी पतली हो पाऊंगी। बहुत कम ही ऐसा होता है जब मैं खुद को देखकर कहती हूं, ओह! मैं अच्छी लग रही हूं। लेकिन मुझे ऐसा लगता ही नहीं। जब कोई मेरी तारीफ में कहता है, आप खूबसूरत लग रही हैं, तो मैं तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाती।

द केरल स्टोरी के मेकर्स लेकर आ रहे हैं 'बियॉन्ड द केरल स्टोरी'

साल 2023 में निर्माता विपुल शाह 'द केरल स्टोरी' लेकर आए थे। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था। अब मेकर्स एक बार फिर इसी तरह की कहानी लेकर आ रहे हैं। मेकर्स ने नई फिल्म की घोषणा कर दी है, जिसका नाम 'बियॉन्ड द केरल स्टोरी' है। हालांकि, इस फिल्म की स्टारकास्ट और डायरेक्टर पूरी तरह से अलग और नए हैं।

मेकर्स की ओर से इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करके नई फिल्म 'बियॉन्ड द केरल स्टोरी' की घोषणा की गई है। सनशाइन पिक्चर्स और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित इस फिल्म को कामाख्या नारायण सिंह निर्देशित करेंगे। मेकर्स द्वारा जारी किए गए वीडियो में अभी कोई सीन या कोई कलाकार नजर नहीं आया है। इस

वीडियो में सिर्फ बैकग्राउंड संगीत के साथ लिखकर आता है, 'वे कहते थे ये सिर्फ एक कहानी है। वे इसे चुप कराना चाहते थे, बदनाम करना चाहते थे। लेकिन सच को रोका नहीं जा सकता। क्योंकि कुछ कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं। इस बार ये और भी गहन और आपको ज्यादा दर्द देगी। बियॉन्ड द केरल स्टोरी।' इसके बाद अंत में एक वॉइस ओवर आता है, जिसमें कहा जाता है, 'जो ताकत मोहब्बत में है, वो बारूद में कहां।' फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साल 2023 में आई फिल्म द केरल स्टोरी को मेकर्स ने सच्ची घटना से प्रेरित बताया था। इस फिल्म की कहानी केरल की तीन युवा हिंदू लड़कियों (शालिनी, नीमा, और गीतांजलि) के इर्द-गिर्द घूमती है। जिन्हें प्यार के जाल में फंसाकर धर्मांतरित किया जाता है। फिर आईएसआईएस आतंकवादी संगठन में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भेजा जाता है और अंततः वे जेल में कैद हो जाती हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज के बाद काफी विवाद भी उठा था। लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।

अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन, रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1 चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं।

ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कल्याणी के नॉवेल ब्लाइंडनेस की तस्वीर शेयर करने से उनके प्रलय में नजर आने की चर्चाएं इसलिए भी उठ रही हैं, क्योंकि इस किताब में हानि, दिशाहीनता और कमजोरी की एक इमोशनल कहानी है। किताब में एक शहर श्वेत अंधापन की महामारी की चपेट में आ जाता है। जिसके शिकार एक खाली मानसिक अस्पताल में बंद कर दिए जाते हैं। जबकि इस भयावह घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह सात अजनबी लोगों को इस बंजर शहरी परिदृश्य में रास्ता दिखाता है।

अजब-गजब | ये है अमेरिका का अनोखा गांव

इस गांव में आज भी खच्चर लाते हैं डाक, दुनिया से कटा है इलाका, मन मोह लेगी यहां की खूबसूरती!

दुनिया के सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक अजूबों में से एक अमेरिका का 'ग्रैंड कैन्यन' अपने भीतर कई राज समेटे हुए है। इन्हीं रहस्यों में से सबसे खास है 'सुपाई' गांव, जो ग्रैंड कैन्यन की गहराई में हवासु कैन्यन (जिसे कैटरेक्ट कैन्यन भी कहा जाता है) के तल पर स्थित है। यह हवासुपाई नामक नेटिव अमेरिकन कबीले का घर है, जो पिछले 800 से अधिक वर्षों से यहां निवास कर रही है। इन्हें इंडियन नेशंस के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सुपाई को पूरे अमेरिका का सबसे अलग-थलग गांव माना जाता है, जहां आधुनिक दुनिया की सड़कें और गाड़ियां आज तक नहीं पहुंच पाई हैं। हवासुपाई का अर्थ है नीले-हरे पानी के लोग। यह नाम हवासु क्रीक के उस चमकीले और पारभासी नीले-हरे पानी से आया है, जो सुपाई गांव के बीच से बहता हुआ कोलोराडो नदी में जाकर मिलता है।

इस इंडियंस नेशंस ट्राइब्स की कुल आबादी 600 के करीब है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि अमेरिका में यूरोपीय लोगों के आने से पहले यह आबादी एक विशाल क्षेत्र पर राज करती थी, जहां वे मक्का, कद्दू और फलियां उगाकर अपना जीवन व्यतीत करते थे। इस गांव

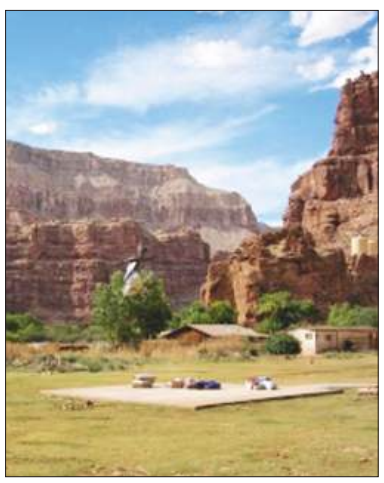

की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां आज भी संचार का सबसे पुराना साधन जीवित है। सुपाई अमेरिका की एकमात्र ऐसी जगह है, जहां डाक पहुंचाने के लिए आज भी खच्चरों का इस्तेमाल किया जाता है। यहां की हर चिट्ठी, पार्सल और जरूरी सामान खच्चरों की पीठ पर लदकर कैन्यन की गहराइयों तक पहुंचता है। यदि किसी पर्यटक को यहां जाना है, तो उसके पास केवल तीन ही रास्ते हैं- हेलीकॉप्टर, मीलों लंबी पैदल यात्रा, या फिर खच्चर की सवारी। हवासुपाई लोगों का इतिहास काफी संघर्षपूर्ण रहा है।

पहली बार सुनने पर ऐसा लगता है कि अमेरिका की पहाड़ियों के बीच बसे इस गांव के लोगों का भारत से कोई संबंध रहा है। लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। इतिहास में एक बड़ी गलतफहमी की वजह से इन्हें 'इंडियन' कहा जाने लगा था। इसके पीछे की कहानी और मतलब समझना जरूरी है। जब 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस भारत खोजने निकला था, तो वह गलती से अमेरिका के तट पर पहुंच गया। उसे लगा कि उसने भारत खोज लिया है, इसलिए उसने वहां के स्थानीय लोगों को 'Indians' कहना शुरू कर दिया। तब से अमेरिका के मूल निवासियों को 'अमेरिकन इंडियन' या 'रेड इंडियन' कहा जाने लगा। अमेरिका में इन कबीलों को अपने क्षेत्रों में खुद का कानून चलाने और सरकार चुनने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, इसलिए उन्हें एक 'स्वतंत्र राष्ट्र' का दर्जा दिया जाता है, जो अमेरिकी सरकार के भीतर रहकर भी अपनी परंपराओं और नियमों के अनुसार अपनी जमीन का प्रबंधन खुद करते हैं।

ये है दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला! डाक्टर ने दी है रोज एक केला खाने की सलाह!

आज हम आपको दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला की कहानी बताने जा रहे हैं, जो 124 साल की उम्र पार कर चुकी हैं। कोलंबिया के ब्यूनावेंचुरा शहर में रहने वाली मारिया एंटोनिया कुएर्वो इन दिनों सोशल मीडिया और न्यूज पर छाई हुई हैं। रिकार्ड्स के मुताबिक, उनकी जन्मतिथि 18 अक्टूबर 1901 बताई जाती है, जो उनकी सिटीजनशिप कार्ड में दर्ज है। अगर ये साबित हो गया तो वो दुनिया की सबसे लंबी उम्र वाली जीवित महिला बन जाएंगी, जो फ्रांस की जीन लुई कैलमेंट (122 साल) के रिकॉर्ड को तोड़ देगा। मारिया एंटोनिया का जन्म कोलंबिया के वैले डेल कौका में मेयरक्किन नदी के किनारे हुआ था। वो एक बड़ी फैमिली से हैं, जिसमें 10 भाई-बहन थे। मारिया के खुद के 8 बच्चे हैं। 26 पोते हैं, 24 परपोते और 54 परपरपोते हैं। यानी कुल 80 से ज्यादा पोते-पोतियां वाली दादी हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में विश्व युद्ध, महामारियां, कोलंबिया की राजनीतिक उथल-पुथल सब देखी हैं लेकिन वो आज भी फिट हैं। हाल ही में वीडियो वायरल हुआ जहां वो खुद कपड़े धोती नजर आईं। इसके अलावा वो बगीचे में पौधे लगाती हैं, और यहां तक कि खुद ड्राइव भी कर लेती हैं। उनकी बेटी डेलसी (66 साल) बताती हैं कि मां खुद नहाती हैं, खाना बनाती हैं, गाती हैं, नाचती हैं और तैराकी भी करती हैं। उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस है लेकिन डॉक्टर कहते हैं कि उनकी हड्डियां और सेहत उम्र के मुताबिक बहुत अच्छी है। रिकार्ड्स के मुताबिक, उनकी जन्मतिथि 18 अक्टूबर 1901 बताई जाती है, जो उनकी सिटीजनशिप कार्ड में दर्ज है। अगर ये साबित हो गया तो वो दुनिया की सबसे लंबी उम्र वाली जीवित महिला बन जाएंगी, जो फ्रांस की जीन लुई कैलमेंट (122 साल) के रिकॉर्ड को तोड़ देगा। मारिया एंटोनिया का जन्म कोलंबिया के वैले डेल कौका में मेयरक्किन नदी के किनारे हुआ था। वो एक बड़ी फैमिली से हैं, जिसमें 10 भाई-बहन थे। मारिया के खुद के 8 बच्चे हैं। 26 पोते हैं, 24 परपोते और 54 परपरपोते हैं। यानी कुल 80 से ज्यादा पोते-पोतियां वाली दादी हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में विश्व युद्ध, महामारियां, कोलंबिया की राजनीतिक उथल-पुथल सब देखी हैं लेकिन वो आज भी फिट हैं।

भारत सरकार अमेरिका के दबाव और डर में है : पृथ्वी राज चव्हाण

» कांग्रेस नेता बोले- वेनेजुएला जैसी स्थिति भारत में भी हो सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वी राज चव्हाण ने एक बार फिर विवादित बयान देकर राजनीतिक हलकों में कोहराम मचा दी है। वेनेजुएला के घटनाक्रम को लेकर उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला और आरोप लगाया कि भारत सरकार अमेरिका के दबाव और डर के कारण स्पष्ट रुख अपनाने से बच रही है। चव्हाण ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और वहां की सत्ता व्यवस्था के खिलाफ कदम उठाए हैं, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि भारत सरकार इसी तरह कमजोर और डरपोक रवैया अपनाती रही तो भविष्य में भारत के साथ भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो सकती है। चव्हाण के अनुसार भारत को खुलकर इस मुद्दे पर बोलना चाहिए था, लेकिन सरकार चुप है क्योंकि वह अमेरिका से टकराव नहीं चाहती।

उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। सत्तापक्ष ने इसे गैर जिम्मेदाराना और देश की विदेश नीति को कमजोर करने वाला बताया है, जबकि कांग्रेस समर्थकों ने इसे साहसिक बयान करार दिया है। हम आपको बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब पृथ्वी राज चव्हाण ने अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील विषयों पर इस तरह की तीखी और विवादित टिप्पणियां की हों। उनका यह बयान भी उसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह अक्सर तथ्यों से अधिक वेनेजुएलाशंकाओं और अतिशयोक्ति पर आधारित निष्कर्ष पेश करते नजर आते हैं।

भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर है केंद्र: श्रीनेत

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार पर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर और असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ट्रम्प वहां खड़े होकर भारत का मज़ाक उड़ा रहे हैं, उसे अपमानित कर रहे हैं और उसका उपहास कर रहे हैं। ट्रम्प के बगल में खड़े अमेरिकी सीनेटर का दावा है कि भारतीय राजदूत राष्ट्रपति को खुश रखने के लिए उनसे विनती कर रहे हैं। ट्रम्प का कहना है कि मोदी ने उन्हें खुश करने के लिए अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात कम किया है। ऐसे बेशर्म गुंडे मेरे देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं - लेकिन प्रधानमंत्री की ओर से एक शब्द भी नहीं। मोदी एक आपदा हैं - एक कमजोर, कायर व्यक्ति जो भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने वाले गुंडों के सामने खड़े नहीं हो सकते।

अमेरिका में पीएम मोदी के इवेंट्स से क्या मिला?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को भारत के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच बार-बार सौहार्दपूर्ण व्यवहार दिखाने के बावजूद वाशिंगटन लगातार कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया अपना रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर भारत से आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने टिप्पणी की कि नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, बार-बार दिखाई गई व्यक्तिगत गर्मजोशी और सोशल मीडिया पर प्रशंसा से भारत को कुछ खास लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने पोस्ट में कहा कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति अपना कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया जारी रखे हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करता है तो वे भारत से आयात होने वाले अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाएंगे। वे सभी नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी कार्यक्रम, वे सभी (जबरदस्ती के) गले मिलना और अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा करने वाले वे सभी सोशल मीडिया पोस्ट बहुत कम लाभ पहुंचा रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन

» पुणे में होगा अंतिम संस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीनियर कांग्रेस नेता सुरेश कलमाडी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्हें पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके पार्थिव शरीर को दोपहर 2 बजे तक पुणे के एरंडवाने स्थित कलमाडी हाउस में रखा जाएगा और अंतिम संस्कार दोपहर 3.30 बजे पुणे के नवी पेठ स्थित वैकुंठ श्मशान भूमि में होगा। सुरेश कलमाडी कांग्रेस सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे हैं। हालांकि उन्हें भारतीय खेल जगत के प्रशासक के तौर पर बड़ी उपलब्धियां मिली थीं। वह 1995-96 में नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री भी रहे।

उनकी वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने उस समय केंद्रीय रेल राज्य मंत्री के रूप में रेल बजट प्रस्तुत किया था। पुणे के रहने वाले कलमाडी ने 1960 के दशक की शुरुआत में एनडीए में दाखिला लिया और फिर भारतीय वायु सेना में पायलट के रूप में भर्ती हुए। उन्होंने छह साल तक वायु सेना में सेवाएं दीं और फिर 1974 तक दो साल तक एनडीए में ट्रेनर रहे। उन्होंने 1965 और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ जंग में भाग लिया। सुरेश कलमाडी को संजय गांधी राजनीति में लेकर आए थे। तब वह पुणे में फास्टफूड आउटलेट चलाते थे। कलमाडी ने कुछ समय के लिए महाराष्ट्र युवा कांग्रेस का नेतृत्व किया और फिर 1982 में राज्यसभा सांसद बने।

सिडनी में ट्रेविस हेड का आया तूफान, रचा इतिहास

» एशेज की एक ही सीरीज में बतौर ओपनर तीन शतक लगाने वाले बने पांचवें बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ओपनर ट्रेविस हेड ने एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखते हुए इतिहास रच दिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन हेड ने शानदार शतक जड़ते हुए न सिर्फ इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया, बल्कि एक ही एशेज सीरीज में ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा शतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। ट्रेविस हेड के लिए यह इस एशेज सीरीज का तीसरा शतक रहा। इससे पहले वह पर्थ और एडिलेड टेस्ट में भी शतकीय पारियां खेल चुके हैं।

इस प्रदर्शन के साथ हेड उस एलीट सूची में शामिल हो गए हैं, जिसमें मैथ्यू हेडन, एलिस्टेयर कुक, माइकल स्लेटर और जैक हॉब्स जैसे दिग्गज ओपनर शामिल हैं। इन सभी बल्लेबाजों ने एक ही एशेज सीरीज में तीन शतक लगाए हैं। हेड ने तीसरे दिन 91 रन के नाबाद स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई और दिन की शुरुआत में ही शानदार कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 105 गेंदों में अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा कर यह दिखा दिया कि वह इस समय अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं। इस पारी के दौरान हेड ने एशेज 2025-26 में 600 रन भी पूरे किए। वह एशेज के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ नौवें ओपनर बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि आखिरी बार एलिस्टेयर कुक ने 2010-11 की एशेज सीरीज में हासिल की थी, जब उन्होंने 766 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड 166 गेंदों पर 163 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 24 चौके और एक शानदार छक्का शामिल रहा।

विश्वकप में टीम भेजना सुरक्षित नहीं लग रहा : बीसीबी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भारत में टी20 विश्वकप खेलने के लिए राष्ट्रीय टीम को भेजना सुरक्षित नहीं लग रहा है। बीसीबी ने एक दिन पहले आईसीसी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया था कि बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मुकाबलों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए। यह कड़ा कदम बीसीसीआई के निर्देश पर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से रिलीज किए जाने के बाद उठाया गया। हमारे लिए सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है और हम उसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। बीसीबी अध्यक्ष ने बताया कि उम्मीद है कि जल्द ही बैठक के लिए बुलाई जाएगी, जिसमें वे अपनी चिंताएं विस्तार से रखेंगे। अमिनुल ने यह भी स्पष्ट किया कि बीसीबी का अगला कदम आईसीसी के जवाब पर निर्भर करेगा। यह आईसीसी का टूर्नामेंट है, इसलिए हम बीसीसीआई से नहीं बल्कि सीधे आईसीसी से ही संवाद कर रहे हैं।

मुझे सच बोलने की सजा मिली: के. कविता

» बीआरएस नेता ने पार्टी और विधान परिषद से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। बीआरएस नेता के. कविता ने पार्टी और विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने अपने पिता केसीआर की नीतियों, भ्रष्टाचार और तेलंगाना के मूल मुद्दों की उपेक्षा को कारण बताया। उन्होंने पार्टी का नाम बदलने का विरोध किया और एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में वापसी का संकल्प लिया। तेलंगाना की एमएलसी के. कविता ने सोमवार को तेलंगाना विधान परिषद में भावभीनी विदाई भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सदन से अपने इस्तीफे और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से अलग होने के अपने निर्णय की औपचारिक घोषणा की। अपने लंबे सार्वजनिक और राजनीतिक सफर और पार्टी से निलंबन से जुड़ी परिस्थितियों का जिक्र करते हुए वे भाषण के दौरान भावुक हो गईं।

उन्होंने कहा कि वे केसीआर और प्रोफेसर जयशंकर से प्रेरित होकर 2006 में तेलंगाना आंदोलन में शामिल हुईं और जागृति के माध्यम से स्वतंत्र रूप से महिलाओं और युवाओं को संगठित करने, तेलंगाना की संस्कृति की रक्षा करने, इसके इतिहास का दस्तावेजीकरण करने और हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों और स्थानीय रोजगार के लिए संघर्ष करने का काम किया। कविता ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन उन्होंने सोच-विचार के बाद बीआरएस द्वारा दिए गए निजामाबाद संसदीय टिकट को स्वीकार कर लिया। तेलंगाना के गठन के बाद, उन्होंने विभाजन के बाद के प्रमुख मुद्दों और विकास परियोजनाओं पर काम करना जारी रखा, जिसमें लंबे समय से लंबित पेद्दापल्ली-निजामाबाद रेलवे लाइन को पूरा करना भी शामिल है।

पिता केसीआर की नीतियों को बताया गलत

उन्होंने कहा कि केसीआर के आउटसोर्सिंग के विरोध के बावजूद, राज्य गठन के बाद ठेका प्रणाली का विस्तार किया गया। जब उन्होंने इन निर्णयों पर सवाल उठाए, तो पार्टी ने उनके प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाया और एक साजिश के तहत उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया। उन्होंने धरना चौक को हटाए जाने, किसानों की गिरफ्तारी, प्रमुख सार्वजनिक परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण पर चिंता व्यक्त की। सच बोलने के कारण उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया, जबकि तेलंगाना कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की गई, उन्हें पेंशन से वंचित रखा गया और यहां तक क 1969 के आंदोलन के दिग्गजों को भी मान्यता नहीं दी गई।

सिंगापुर की मिलिट्री का हिस्सा बनेंगे लालू यादव के नाती आदित्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लालू के नाती आदित्य अब भारत नहीं बल्कि किसी और देश की सेना का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यह जानकारी उनकी मां और लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। रोहिणी ने बताया कि 18 साल की उम्र में प्री-यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका बड़ा बेटा आदित्य दो साल की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग के लिए रवाना हुआ है। वहीं ये भी सवाल उठ रहा है कि रोहिणी के बेटे किस देश के सेना में ट्रेनिंग के लिए गए है।

रोहिणी सिंगापुर में रहती हैं। सिंगापुर में कानून के तहत 18 साल की आयु के बाद युवाओं को नेशनल सर्विस के तहत सैन्य प्रशिक्षण लेना होता है। इसी प्रक्रिया के तहत आदित्य ट्रेनिंग में शामिल हुए हैं।

केरल में लोग बदलाव चाहते हैं

» कांग्रेस नेता वेणुगोपाल का विजयन पर सीधा हमला बोले- जनता हटाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की जनता पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाली सरकार से तंग आ चुकी है और आगामी विधानसभा चुनावों में उसे सत्ता से बेदखल करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। वायनाड में बोलते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने पिछले दो दिनों में व्यापक विचार-विमर्श किया है और एकजुट होकर नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

वेणुगोपाल ने कहा कि एक तरफ सीपीएम सरकार को फिर से सत्ता में लाने की बात कर रही है, लेकिन जनता का मन स्पष्ट है कि वे इस सरकार को हटाना चाहते हैं। सभी लोग पूरे उत्साह और दूरदृष्टि के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। हम केरल में जीत हासिल करेंगे। राज्य में चुनावों की तैयारियों में तेज़ी आने के बीच वेणुगोपाल की ये टिप्पणियां आई हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता ने विपक्ष के नेता वीडी सतीशान के खिलाफ सीबीआई जांच की केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो की सिफारिश को सिरे से खारिज करते हुए इसे चुनावों से पहले सीपीआईएम का राजनीतिक हथकंडा बताया था।

सीएम मान की मुसीबत, पंथ की पीड़ा और राजनीतिक घेराबंदी

आस्था के नाम पर सत्ता को झुकाने की कोशिश या पंजाब की सियासत का नया खेल?

» मुख्यमंत्री भगवंत मान को श्री अकाल तख्त का नोटिस 15 जनवरी को हाजिर होने का निर्देश

» ईशनिंदा जैसे गंभीर आरोप अब पंजाब में आपरेशन लोटस!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नया विवाद पुरानी सियासत और बीच में एक मुख्यमंत्री। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। इस बार मामला सिर्फ राजनीति का नहीं बल्कि आस्था पंथ और सत्ता के टकराव का है। सिख पंथ की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से जारी नोटिस ने मान सरकार को असहज ही नहीं बल्कि संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

सीएम भगवंत मान पर आस्था का मज़ाक उड़ाने के गंभीर लगाये गये हैं। यह विवाद ऐसे वक्त पर सामने आया है जब पंजाब पहले ही नशा, क़ानूनव्यवस्था और वित्तीय संकट के साथ केंद्र से टकराव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री के बयान को लेकर उठा यह बवंडर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि सीधे-सीधे सरकार की वैधता संयम और संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर रहा है। भगवंत मान का राजनीतिक व्यक्तित्व शुरू से ही परंपरागत सियासत से अलग रहा है। व्यंग्य, कटाक्ष और मंचीय भाषा उनकी पहचान रही है। लेकिन सत्ता में आने के बाद वही भाषा अब जोखिम बनती जा रही है। सवाल यह नहीं कि बयान क्या था सवाल यह है कि उस बयान को किस तरह और किस मकसद से पेश किया जा रहा है।

सिर्फ पंजाब तक सीमित नहीं है मामला

बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ पंजाब तक सीमित नहीं देख रही। यह लड़ाई राष्ट्रीय नैरेटिव की बन चुकी है। एक ओर राष्ट्रवाद और आस्था की राजनीति तो दूसरी ओर संवैधानिक जनादेश और चुनी हुई सरकार। बीजेपी के लिए भगवंत मान क्या एक आसान निशाना हैं लगता तो कुछ ऐसा ही है इस मुद्दे को हवा देना बीजेपी की रणनीति का हिस्सा है ताकि आप को अपरिपक्व और असंवेदनशील दिखाया जा सके। लेकिन यह रणनीति भी जोखिम से खाली नहीं। क्योंकि सवाल यह भी उठता है कि क्या केंद्र ने हमेशा धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता का सम्मान किया है? यह टकराव सिर्फ पंजाब का नहीं बल्कि 2026 की राजनीति की रिहर्सल भी है।

मान का मीडिया ट्रायल शुरू हो चुका है

पंजाब के सीएम भगवंत मान का मीडिया ट्रायल शुरू हो चुका है। बीजेपी ने उनके इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। विपक्ष उन पर हमलावर है और बीच में खड़ा है एक ऐसा मुख्यमंत्री जिसे जनता ने बदलाव के नाम पर चुना था। क्या यह बदलाव अब खुद सवालों के घेरे में है या फिर यह वही पुराना खेल है जहां आस्था को ढाल बनाकर राजनीति की तलवार चलाई जाती है? अकाल तख्त का नोटिस अपने आप में गंभीर है और इसे हल्के में लेना किसी भी सरकार के लिए आत्मघाती लेगा। लेकिन राजनीति में सवाल पूछने का हक़ सिर्फ संस्थाओं को ही नहीं जनता और मीडिया को भी है। सवाल महत्पूर्ण है कि क्या हर विवाद का अंत इस्तीफे से ही होगा? क्या भावनाओं की राजनीति लोकतांत्रिक निर्णयों पर हावी हो जाएगी? यहीं से यह कहानी सिर्फ भगवंत मान की नहीं रहती यह बन जाती है पंजाब की राजनीतिक आत्मा की परीक्षा।

पंजाब की अंदरूनी राजनीति

आम आदमी पार्टी पंजाब में सत्ता में है लेकिन भीतर से पूरी तरह सहज नहीं दिखती। पार्टी के भीतर एक गुट ऐसा है जो मान की अतिसहज शैली को नुकसानदेह मानता है जबकि दूसरा गुट इसे ही उनकी ताक़त समझता है। यही द्वंद्व आज पार्टी की सबसे बड़ी कमजोरी बनता जा रहा है। दिल्ली माडल बनाम पंजाब की ज़मीनी हक़ीक़त यह टकराव अब खुलकर सामने है। पार्टी हाईकमान और स्थानीय नेतृत्व के बीच संवाद की कमी है फैसलों में देरी और संदेशों की अस्पष्टता ने विपक्ष को हमला करने का मौका दिया है। मान का विवाद इसी शून्य में फूटा है।आप के भीतर यह सवाल भी गूंज रहा है कि क्या मुख्यमंत्री को अधिक संस्थागत भाषा अपनानी चाहिए थी। लेकिन कोई यह सवाल नहीं पूछता कि क्या यही विपक्ष तब भी इतना संवेदनशील था जब पिछली सरकारों के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुई और दोषी खुले घूमते रहे? आप के लिए यह क्षण आत्ममंथन का है। या तो पार्टी इस विवाद को संवाद, विनम्रता और राजनीतिक परिपक्वता से संभाले या फिर यह मामला लंबा खिंचकर सरकार की साख पर स्थायी दाग़ छोड़ सकता है।

बीजेपी ने मांगा इस्तीफा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा है कि श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय द्वारा मुख्यमंत्री को तलब किया जाना कोई सामान्य या औपचारिक प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह सिख पंथ की सर्वोच्च तख्त संस्था और सिख रहत मर्यादा के प्रति बार-बार किए गए कथित अनादर का असाधारण और गंभीर आरोप है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए आरपी सिंह ने लिखा है कि भले ही सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो की पुष्टि न हुई हो लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान के अपने शब्द और आचरण ही सिख समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी कॉमेडी नशा या घमंड सिख पंथ की सर्वोच्च लौकिक सत्ता के प्रति अनादर को सही नहीं ठहरा सकता। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक ऐसा मुख्यमंत्री जो आस्था का मजाक उड़ाए सिख संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास करे और फिर संवैधानिक पद की आड़ लेकर जवाबदेही से बचे वह पंजाब का शासन करने के योग्य नहीं है। उन्होंने इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दिया और कहा कि इस तरह का व्यवहार न केवल निंदनीय है बल्कि राज्य की गरिमा के भी खिलाफ है। आरपी सिंह ने आगे कहा कि नैतिक और नैतिकता की वैधता खो चुके मुख्यमंत्री भगवंत मान को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

सोनिया गांधी की तबियत बिगड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को अचानक सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ने की खबर से सनसनी फैल गई। सोनिया को दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत अब पूरी तरह स्थिर है। उन्हें 5 जनवरी 2026 की रात करीब 10 बजे दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी को सांस लेने में कुछ तकलीफ हो रही थी।

सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टरों की जांच में पता चला कि दिल्ली में ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले असर से सोनिया की तबीयत बिगड़ी थी. सोनिया गांधी का ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था. एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल में रखा गया ताकि उनकी पूरी निगरानी हो सके और सही इलाज दिया जा सके। सोनिया गांधी पिछले कई सालों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं, वे समय-समय पर नियमित जांच और इलाज के लिए अस्पताल जाती रही हैं। अभी सोनिया गांधी को एंटीबायोटिक्स और अन्य जरूरी दवाइयां दी जा रही हैं. डॉक्टरों ने कहा है कि इलाज का उन पर बहुत अच्छा असर हो रहा है. उनकी हालत अब बिल्कुल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं. डॉक्टरों का कहना है कि उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है. अगर सब ठीक रहा तो एक-दो दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है. यह फैसला इलाज करने वाले डॉक्टर ही अंतिम रूप से लेंगे।

आलमबाग में सीवर ओवरफ्लो से पोल में उतरे करंट से कुत्ते की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग क्षेत्र में सीवर व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर सामने आई है। रामप्रसाद खेड़ा इलाके में सड़क पर भरा सीवर का गंदा पानी अब जानलेवा साबित हो रहा है। सीवर का पानी सड़क पर फैलने के कारण पास लगे बिजली के खंभे में करंट उतर आया, जिसकी चपेट में आने से एक कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

लोगों का फूटा गुस्सा

स्थानीय निवासियों का कहना है कि रामप्रसाद खेड़ा में पिछले कई दिनों से सीवर जाम है, जिसकी शिकायत नगर निगम और जलकल विभाग से कई बार की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सड़क पर लगातार भरे गंदे पानी के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मजबूरी में कुछ घरों के लोग उसी दूषित पानी के संपर्क में आने को विवश हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। करंट फैलने की घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत विरोध प्रदर्शन किया और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सीवर की सफाई और बिजली व्यवस्था की जांच कर ली जाती, तो यह हादसा टाला जा सकता था। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना की सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग ने क्षेत्र की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर जांच शुरू की। वहीं नगर निगम अधिकारियों ने जल्द सीवर की सफाई कराने और पानी निकासी का आश्वासन दिया है।

दिल्ली मेट्रो के स्टाफ क्वार्टर में लगी आग पति-पत्नी और बच्ची की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में दिल्ली मेट्रो स्टाफ क्वार्टर में आग लग गई। यहां एक कमरे सो रहे पति-पत्नी और मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें बीती रात को 2:39 पर डीएमआरसी क्वार्टर के घरेलू सामान में आग लगने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद छह गाड़ियों को मौके पर आग बुझाने के लिए भेजा गया था।

दमकल विभाग के अनुसार, पांचवें फ्लोर पर आग लगी थी। इस आग में जब दमकल की टीम अंदर पहुंची तो वहां पर तीन लोगों के शव जली हालत में मिले। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय अजय, 38 वर्षीय नीलम और 10 वर्षीय जान्ह वी के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। सुबह 06:40 बजे आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल अधिकारी ने बताया कि आग एक कमरे में घरेलू सामान में लगी थी, जिससे कमरे में तीन जली हुई लाशें मिलीं। आग बुझाने के दौरान एक फायरकर्मी राकेश के हाथ में चोट लग गई, उसे जगजीवन अस्पताल ले जाया गया, जिन्हें प्राथमिक उपचाल के बाद छुट्टी दे दी गई।

तेजस्वी यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

» दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी के कथित घोटाले में आरोप लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को आईआरसीटीसी के कथित घोटाले में आरोप तय किए जाने के आदेश के खिलाफ तेजस्वी यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने तेजस्वी की याचिका और मुकदमे पर रोक लगाने की मांग पर सीबीआई से जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी तय की है।

इसी दिन तेजस्वी यादव के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की इसी तरह की याचिका पर भी सुनवाई होगी। इससे पहले निचली अदालत ने 13 अक्टूबर 2025 को लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। इन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने का आदेश दिया गया था।

तेजस्वी यादव और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने निचली अदालत के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है. यह मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के दो होटलों का संचालन एक निजी कंपनी को दिए जाने में हुई कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है। अदालत ने लालू यादव के अलावा प्रदीप कुमार गोयल, राकेश सक्सेना, भूपेंद्र कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गोगिया और विनोद कुमार अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और धारा 13(1)(डी)(दो) व (तीन) के तहत आरोप तय किए थे।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा